an>

Title: Regarding soil erosion by river Rapti in Shrawasti Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री दद्दन मिश्रा (श्रावस्ती) : सभापति महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र श्रावस्ती में आई बाढ़ व उसके कारण हो रहे कटान के विषय को सदन में उठाना चाहता हूं जो कि एक बहुत ही गंभीर समस्या है।

तराई और पहाड़ी क्षेत्रों पर हो रही बारिश के कारण जनपद श्रावस्ती एवं बलरामपुर के विभिन्न गांवों में इन दिनों राप्ती नदी में तेजी से बढ़ रहे जलस्तर के कारण क्षेत्र में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। बढ़ रहे जलस्तर के कारण ही राप्ती नदी के किनारों पर कटान भी बहुत तेजी से हो रहा है। तेजी से बढ़ रहे जलस्तर और कटान से निकटवर्ती गांवों के लोग सहमें हुए हैं।

चूंकि जनपद श्रावस्ती एवं बलरामपुर हमारे पड़ोसी देश नेपाल की सीमा से सटे हुए हैं और राप्ती नदी नेपाल से भारत प्रवेश करती है। राप्ती नदी में आई बाढ़ का मुख्य कारण नेपाल द्वारा राप्ती नदी में अचानक पानी छोड़ा जाना है। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि इस तरह से अचानक नदी का पानी छोड़े जाने की वजह से तटवर्ती इलाकों के लोगों का जनजीवन तो अस्त व्यस्त हो ही रहा है, साथ में तटवर्ती इलाकों की लहलहाती फसलें नदी की तेज धारा से बर्बाद हो रही है। इससे फसलों की उपज पर हो रहे खर्चे और उसमें लगी मेहनत दोनों व्यर्थ जा रही है। केन्द्रीय जल आयोग की सूचना अनुसार राप्ती नदी का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ रहा है। इसके साथ ही अंधरपुरवां, गौहनियां, रामगढ़ी, बगनहा, शिकारी चौड़ा, कलकलवा, वीरपुर, सिसवारा, कुम्हरगढ़ी, बरंगा, लौकिहा समेत 50 से 60 गांवों पर बाढ़ का खतरा भी मंडराने लगा है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना चाहता हूं कि बाढ़ तथा कटान से निपटने के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाये जाएं जिससे भविष्य में हमारे किसानों को बाढ़ से होने वाली मुश्किलों का सामना न करना पड़े और उन किसानों के लिए भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की सहायता से जल्दी से जल्दी सहत पहुंचायी जाए। इसके साथ ही मैं यह भी मांग करता हूं कि बाढ़ से कटान पीड़ित बेघर परिवारों को आवास उपलब्ध कराये जाएं।